भारत-इटली “विशेष रणनीतिक साझेदारी” (मई 2026): समझौते

अंतरराष्ट्रीय संबंध | समाचार संदर्भ: भारत-इटली “विशेष रणनीतिक साझेदारी”, प्रधानमंत्री की यात्रा 19-20 मई 2026 | प्रकाशित: 18 अक्टूबर 2026

पृष्ठभूमि और संदर्भ

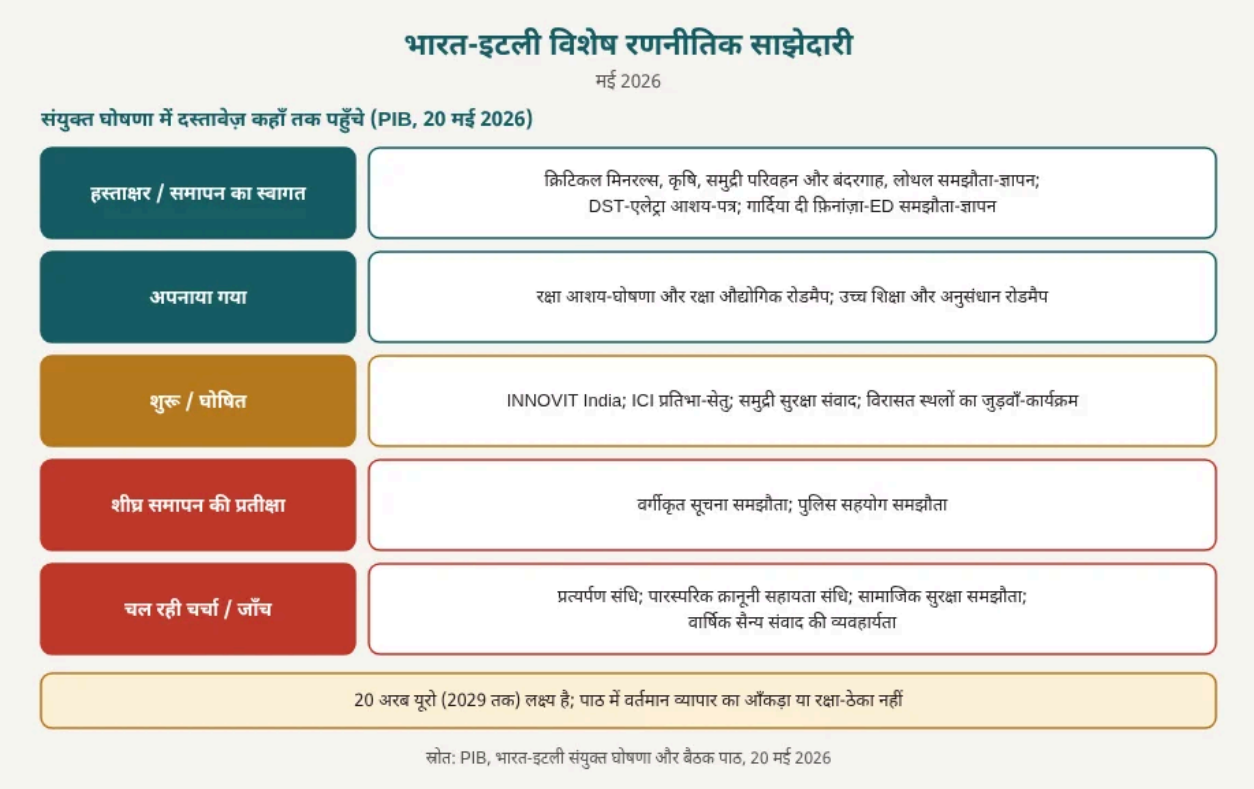
द्विपक्षीय संबंधों के नामों, जैसे “रणनीतिक साझेदारी” या “विशेष रणनीतिक साझेदारी”, की कोई तय क़ानूनी परिभाषा नहीं होती। इसलिए ऐसी यात्राओं को पढ़ने का काम यह है कि संयुक्त दस्तावेज़ों में कौन-सी चीज़ पूरी हुई है और कौन-सी अभी बाक़ी है। इटली के साथ यह सवाल इसलिए दिलचस्प है कि घोषणा में कुछ समझौते “हस्ताक्षरित” हैं, जबकि प्रत्यर्पण संधि और पारस्परिक क़ानूनी सहायता संधि जैसी बड़ी चीज़ें केवल “चर्चा में” बताई गई हैं।

खबरों में क्यों

PIB के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर 19-20 मई 2026 को इटली की आधिकारिक यात्रा की। 20 मई को रोम में वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को “विशेष रणनीतिक साझेदारी” के स्तर तक उन्नत करने का निर्णय लिया।

मुख्य अवधारणा: “हस्ताक्षर” और “वार्ता जारी” का फ़र्क़

संयुक्त घोषणा में जिन दस्तावेज़ों का “हस्ताक्षर” या “अपनाया जाना” बताया गया है, वे पूरे हो चुके हैं। जिनके लिए “शीघ्र समापन की प्रतीक्षा” या “चर्चा जारी” लिखा है, वे अभी पूरे नहीं हैं। इस श्रेणी में सूचना-सुरक्षा और पुलिस सहयोग के समझौते, प्रत्यर्पण संधि और पारस्परिक क़ानूनी सहायता संधि हैं। इसलिए “विशेष रणनीतिक साझेदारी” सुनकर यह मान लेना कि ये संधियाँ हो गईं, पाठ से आगे जाना होगा।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

मुख्य तथ्य और आंकड़े

अवसर	**प्रधानमंत्री मोदी की इटली की यात्रा, 19-20 मई 2026; संबंध "विशेष रणनीतिक साझेदारी" में उन्नत; नेताओं की वार्षिक बैठक और विदेश मंत्री-स्तरीय समीक्षा तंत्र पर सहमति। PIB, 20 मई 2026।**
योजना का ढाँचा	संयुक्त रणनीतिक कार्य-योजना 2025-2029 (नवंबर 2024 में रियो G20 में अपनाई गई) की समीक्षा के लिए विदेश मंत्री-स्तरीय तंत्र बनाने पर सहमति।
हस्ताक्षर के रूप में स्वागत	क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौता-ज्ञापन; कृषि और कृषि अनुसंधान पर समझौता-ज्ञापन; समुद्री परिवहन और बंदरगाहों पर समझौता-ज्ञापन; लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर में इटली की भागीदारी पर समझौता-ज्ञापन; DST और इटली के एलेट्रा सिंक्रोट्रॉन केंद्र के बीच आशय-पत्र; इटली की गार्दिया दी फ़िनांज़ा और प्रवर्तन निदेशालय के बीच समझौता-ज्ञापन के "समापन" का स्वागत।
अपनाया गया	रक्षा पर संयुक्त आशय-घोषणा और रक्षा औद्योगिक रोडमैप (सह-डिज़ाइन, सह-विकास, सह-उत्पादन; हेलीकॉप्टर, नौसैनिक प्लेटफ़ॉर्म, समुद्री शस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध का उल्लेख); भारत-इटली उच्च शिक्षा और अनुसंधान रोडमैप।
शुरू या घोषित	भारत में INNOVIT India नाम का नवाचार केंद्र; "ICI – इटली कॉल्स इंडिया" प्रतिभा-सेतु; समुद्री सुरक्षा संवाद; यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की जुड़वाँ-कार्यक्रम; 2027 को "संस्कृति और पर्यटन का वर्ष" मनाने का इरादा।
अब भी वार्ता में	"शीघ्र समापन की प्रतीक्षा": वर्गीकृत सूचना के आदान-प्रदान और संरक्षण का समझौता, पुलिस सहयोग का समझौता। "चल रही चर्चा": प्रत्यर्पण संधि, पारस्परिक क़ानूनी सहायता संधि, सामाजिक सुरक्षा समझौता। "व्यवहार्यता की जाँच": वार्षिक उच्च-स्तरीय सैन्य संवाद।
आर्थिक लक्ष्य	द्विपक्षीय व्यापार को 2029 तक 20 अरब यूरो तक पहुँचाने का "लक्ष्य"। पाठ में वर्तमान व्यापार का आँकड़ा नहीं है।

दस्तावेज़ों को कैसे पढ़ें

दो पाठों में नर्स-दस्तावेज़: PIB के प्रधानमंत्री-बैठक वाले पाठ में नर्सों की भर्ती पर “समझौता-ज्ञापन” के हस्ताक्षर का उल्लेख है। संयुक्त घोषणा में भारत से इटली नर्सों की आवाजाही की सुविधा पर एक “विशिष्ट संयुक्त आशय-घोषणा” का ज़िक्र है। दोनों पाठ अलग शब्द लिखते हैं; हमने इसे एक ही दस्तावेज़ मानकर नहीं लिखा और यह नहीं जाँचा कि वास्तविक दस्तावेज़ का स्वरूप क्या है।

तिथि-निर्भर वादे: घोषणा में 2026 में IMEC की पहली मंत्री-स्तरीय बैठक, इसी वर्ष इटली में अगला विज्ञान और नवाचार संवाद और 2027 का संस्कृति-वर्ष जैसे भविष्य के वादे हैं। हमने इनके बाद की स्थिति नहीं जाँची।

समझौते बनाम इरादा: घोषणा में “सहमत हुए”, “प्रोत्साहित किया”, “इरादा”, “व्यवहार्यता की जाँच” जैसी भाषा बड़ी मात्रा में है। इसलिए हर बात को समान वज़न से बाध्यकारी समझना ग़लत होगा।

यह विषय क्यों मायने रखता है

रक्षा-उद्योग सहयोग: रक्षा औद्योगिक रोडमैप सह-उत्पादन का रास्ता खोलने की बात करता है। पाठ में किसी ठेके, परियोजना या राशि का उल्लेख नहीं है; यह हमारा पाठ है कि यह अभी संभावनाओं की सूची है।

क़ानूनी सहयोग की कमी: प्रत्यर्पण संधि और पारस्परिक क़ानूनी सहायता संधि जैसे ढाँचों का अभी “चर्चा में” होना बताता है कि आर्थिक और तकनीकी सहयोग की तुलना में क़ानूनी सहयोग का ढाँचा धीमा है। यह हमारी व्याख्या है, घोषणा ऐसा निष्कर्ष नहीं देती।

बहस के बिंदु और सावधानियाँ

घोषणा बनाम परिणाम: हमने PIB के दोनों पाठ पढ़े। इनमें 20 अरब यूरो का लक्ष्य और कुछ सहमतियाँ हैं, पर कोई निवेश-राशि या रक्षा-ठेका नहीं। इसके बाद के क्रियान्वयन की कोई आधिकारिक जानकारी हमने नहीं पढ़ी, इसलिए अब तक की प्रगति के बारे में हम कोई दावा नहीं करते।

समझौतों के मूल पाठ: हमने समझौतों के मूल पाठ, विदेश मंत्रालय की अलग परिणाम-सूची और दस्तावेज़ों की अलग-अलग हस्ताक्षर-तिथि नहीं देखी; सूची “PIB के पाठ में स्वागत किए गए” के रूप में पढ़ें।

स्रोत और सीमाएँ: पढ़े गए स्रोत: संयुक्त घोषणा (https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2263405&lang=1&reg=3) और प्रधानमंत्री-बैठक का पाठ (https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2263395&lang=1&reg=3), दोनों पूरे।

पूर्व लेख से अंतर: pcsmantra.com पर भारत-इटली की इस यात्रा पर लेख हमें नहीं मिला (खोज: “इटली”, “Italy”, “भारत-इटली”)।

आगे की राह

इस लेख को 20 मई 2026 के PIB पाठ की स्थिति के रूप में पढ़ें। संधियों और रोडमैप के क्रियान्वयन पर आधिकारिक जानकारी आने पर निष्कर्ष बदल सकते हैं।

अवधारणा में अंतर

चार बातें अलग रखें: (1) “हस्ताक्षरित” या “अपनाए गए” दस्तावेज़; (2) “वार्ता में” या “व्यवहार्यता जाँच” की चीज़ें; (3) लक्ष्य और इरादे; और (4) हमारी व्याख्याएँ।

मेंस दृष्टि

GS-II: द्विपक्षीय समूह और समझौते; भारत से जुड़े अंतरराष्ट्रीय संबंध। उत्तर में हस्ताक्षरित दस्तावेज़ और वार्ताधीन संधियों का फ़र्क़ बताएँ।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

भारत-इटली “विशेष रणनीतिक साझेदारी” (मई 2026) की उपलब्धियों और बची हुई चुनौतियों का परीक्षण कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: उन्नत दर्जा और कार्य-योजना।

मुख्य भाग में: हस्ताक्षरित समझौते; रक्षा और विज्ञान सहयोग; वार्ताधीन संधियाँ; 20 अरब यूरो का लक्ष्य; सीमाएँ: क्रियान्वयन अज्ञात।

निष्कर्ष में: संबंधों के उन्नत दर्जे के साथ हस्ताक्षरित दस्तावेज़, अपनाए गए रोडमैप और वार्ताधीन संधियाँ अलग रखें; व्यापार-लक्ष्य तथा घोषित सहयोग को पूरा परिणाम न मानकर क्रियान्वयन के आधार पर साझेदारी परखें।

स्रोत

- PIB, भारत-इटली संयुक्त घोषणा (20 मई 2026)
- PIB, प्रधानमंत्री की इटली के प्रधानमंत्री से बैठक (20 मई 2026)

दोनों स्रोत PIB के पूरे पाठ हैं; समझौतों के मूल पाठ नहीं पढ़े गए।

याद रखें: PIB के अनुसार भारत-इटली संबंध 20 मई 2026 को “विशेष रणनीतिक साझेदारी” में उन्नत हुए। क्रिटिकल मिनरल्स, कृषि और समुद्री परिवहन के समझौता-ज्ञापनों का स्वागत हुआ, पर प्रत्यर्पण और क़ानूनी सहायता संधियाँ अब भी “चर्चा में” हैं। 20 अरब यूरो का व्यापार-लक्ष्य लक्ष्य ही है।